भजन

तर्ज– मेरा परदेसी न आया

पिया कैसा खेल दिखाया– हो
कैसा बिछोहा दिया मेरे दूल्हा, छूटी खिलवत मेरी

1 पहले खेल दिखाकर तुमने,मेरी रूह भुलाई
पीछे सब सुध अर्श की देकर, पिया मेरे तुमने जगाई

2 बेशक वतन निसबत बेशक,बेशक इलम है आया
फिर क्यूँ इश्क न आया हमको,इसका भेद ना पाया

3 हम तो चाहे खेल छोड़ना,फिर क्यों यह न छूटे
जैसे दिखाओ वैसे छुड़ाओ दिल अपने में ले के